Toppersnotes®
Unleash the topper in you

UPPSC - CSE

सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा

Prelims & Mains

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज

सामान्य अध्ययन

पेपर 2 – भाग 2

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

SIERRA INNOVATIONS

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

पेपर - 2 भाग - 2

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	**भारत और उसके पड़ोसी देश** • नेबरहुड फर्स्ट नीति • भारत-अफगानिस्तान संबंध • भारत-श्रीलंका संबंध • भारत-मालदीव संबंध • भारत-म्यांमार संबंध • भारत-नेपाल संबंध • भारत-बांग्लादेश संबंध • भारत-चीन संबंध • भारत-पाकिस्तान संबंध • भारत-भूटान संबंध	1
2.	**भारत-अमेरिका संबंध**	37
3.	**भारत-कनाडा संबंध** • ऐतिहासिक संबंध • सहयोग के क्षेत्र • चुनौतियाँ • आगे की राह	42
4.	**भारत-रूस संबंध** • ऐतिहासिक संबंध • सहयोग के क्षेत्र • चुनौतियाँ • आगे की राह	44
5.	**भारत और पश्चिम एशिया** • ऐतिहासिक संबंध • भारत के लिए पश्चिम एशिया का महत्व • चिंताएं/चुनौतियां • नव गतिविधि • भारत-ईरान संबंध • भारत-इजरायल संबंध • भारत-UAE संबंध • भारत-तुर्की संबंध • भारत-कतर संबंध • भारत-सऊदी अरब संबंध	49
6.	**भारत और मध्य एशियाई देश** • भारत - मध्य एशियाई देश संबंध • मध्य एशिया संयोजकता नीति • भारत-कजाखस्तान	62

	• भारत-किर्गिस्तान • भारत-ताजिकिस्तान • भारत-तुर्कमेनिस्तान • भारत-उजबेकिस्तान संबंध	
7.	**भारत और दक्षिण पूर्व एशिया** • ऐतिहासिक संबंध • स्वतंत्रता के बाद संबंधों की समयरेखा • पूर्व की ओर देखो नीति (एलईपी) • सहयोग के क्षेत्र • चुनौतियां • भारत-वियतनाम संबंध • भारत-सिंगापुर संबंध • भारत-मलेशिया संबंध • भारत-इंडोनेशिया संबंध • भारत-थाईलैंड संबंध	**72**
8.	**पूर्वी एशिया और प्रशांत** • भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध • भारत-न्यूजीलैंड संबंध • भारत-जापान संबंध • भारत-दक्षिण कोरिया संबंध • भारत और इंडो-पैसिफिक	**81**
9.	**हिंद महासागर** • हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) • भारत-मॉरीशस संबंध	**92**
10.	**भारत-अफ्रीका संबंध** • ऐतिहासिक संबंध • भारत के लिए अफ्रीका का महत्व • सहयोग के क्षेत्र • चुनौतियों • आगे की राह	**96**
11.	**भारत-यूरोप संबंध** • यूरोपीय संघ • भारत-जर्मनी संबंध • भारत-फ्रांस संबंध • भारत-यूनाइटेड किंगडम संबंध	**101**
12.	**प्रवासी भारतीय** • भारत की प्रवासी नीति • प्रवासी भारतीयों के लिए महत्वपूर्ण पहल • प्रवासी भारतीयों का महत्व • भारतीय प्रवासियों के सामने चुनौतियां	**112**
13.	**महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान** • संयुक्त राष्ट्र संगठन (UNO) • संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसियां • अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष • विश्व बैंक • विश्व आर्थिक मंच (WEF)	**115**

	• राष्ट्रमंडल • विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) • विश्व व्यापार संगठन (WTO) • अन्य महत्वपूर्ण संयुक्त राष्ट्र संस्थान • अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) • स्थायी मध्यस्थता न्यायालय (PCA) • विविध संस्थान	
14.	**वैश्विक समूह** • G-7 • G-20 • G-77 • खाड़ी सहयोग परिषद • पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (OPEC) • रायसीना संवाद (RD) • बहुपक्षीय निर्यात नियंत्रण व्यवस्था (MECR) • एशिया - प्रशांत महासागरीय आर्थिक सहयोग • BRICS • भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका (IBSA) संवाद मंच • शंघाई सहयोग संगठन (SCO) • अश्गाबात समझौता • दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) • बांग्लादेश भूटान भारत नेपाल (BBIN) पहल • बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) • दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (ASEAN) • एशियाई विकास बैंक • अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन • क्वाड ग्रुपिंग • आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) • ऑर्गेनिक ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (OIC) • क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (RCEP)	**127**
15.	**कूटनीति के बदलते क्षेत्र** • सॉफ्ट पावर(नम्र शक्ति) डिप्लोमेसी • नम्र शक्ति • भारत की जलवायु परिवर्तन कूटनीति • अंतरिक्ष कूटनीति	**146**

प्रिय विद्यार्थी, टॉपर्सनोट्स चुनने के लिए धन्यवाद।

नोट्स में दिए गए QR कोड्स को स्कैन करने लिए टॉपर्स नोट्स ऐप डाउनलोड करे ।

ऐप डाउनलोड करने के लिए दिशा निर्देश देखे :-

ऐप इनस्टॉल करने के लिए आप अपने मोबाइल फ़ोन के कैमरा से या गूगल लेंस से QR स्कैन करें ।

टॉपर्सनोट्स एग्जाम प्रिपरेशन ऐप

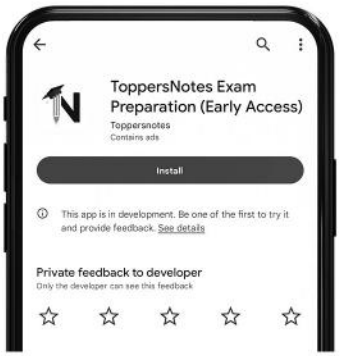

टॉपर्सनोट्स ऐप डाउनलोड करें गूगल प्ले स्टोर से ।

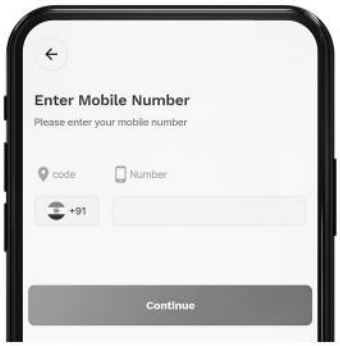

लॉग इन करने के लिए अपना **मोबाइल नंबर** दर्ज करें ।

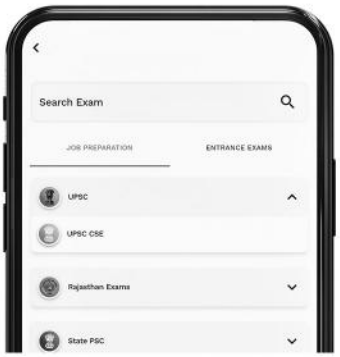

अपनी **परीक्षा श्रेणी** चुनें ।

सर्च बटन पर क्लिक करें ।

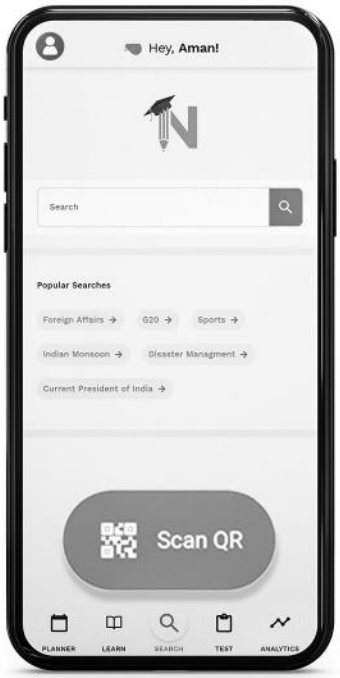

SCAN QR पर क्लिक करें ।

किताब के **QR कोड को स्कैन** करें ।

किसी भी तकनीकी सहायता के लिए
hello@toppersnotes.com पर मेल करें
या **766 56 41 122** पर whatsapp करें ।

Thank You!!

for Choosing Toppersnotes

50% OFF

Just for you!!

USE CODE : **TOPPER50**

Coupon valid only for 30 days after purchase.

Scan the QR code and login from your registered phone number

UPPCS TEST SERIES

~~₹1499~~ ~~₹999~~ **₹499**

(After coupon)

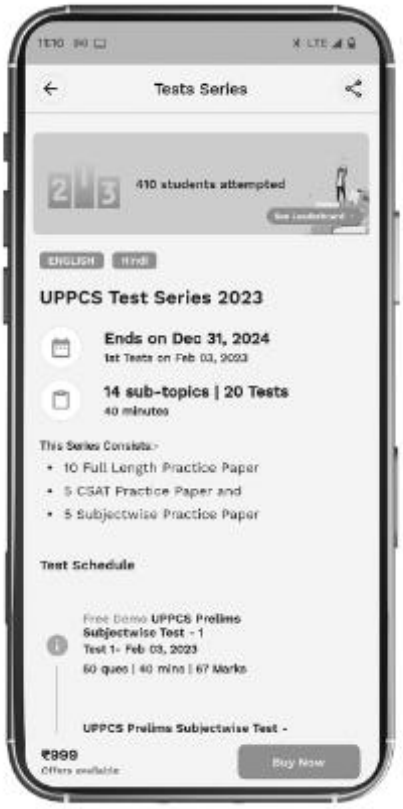

- 5 Subject-wise Test
- 10 Full Length Test
- 5 CSAT Test
- Based on Latest sylabus.
- Up Centric question according to new pattern
- Bilingual
- Comprehensive coverage
- High-quality questions
- Detailed explanations
- Performance analysis
- Flexibility - At your own pace
- Peer comparison on leader board
- Affordable pricing
- Designed by Toppers and top faculty.

How to use the Coupon Code?

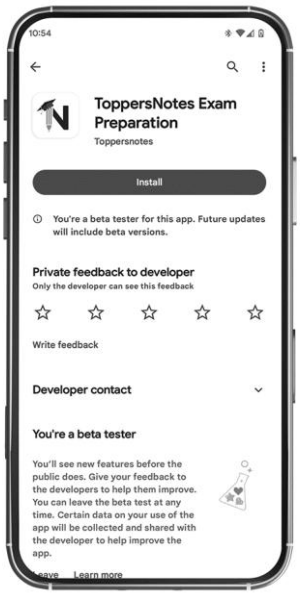

STEP:1

Scan the QR code from the back page and install the Toppersnotes learning app.

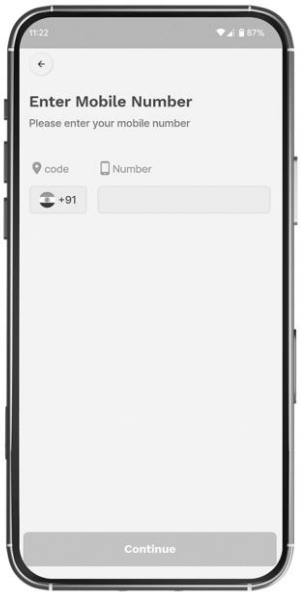

STEP:2

login with your registered phone number and select your exam.

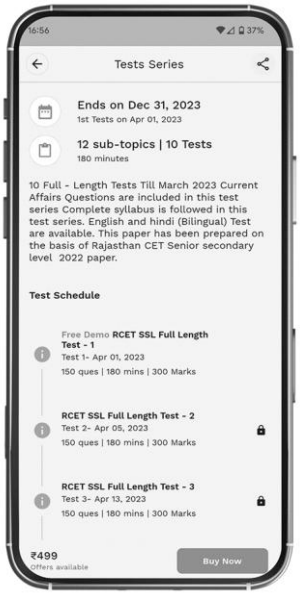

STEP:3

On the test series page you can try demo test or Click on buy now

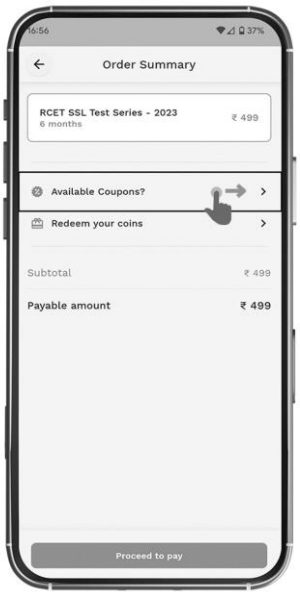

STEP:4

Click on apply coupon

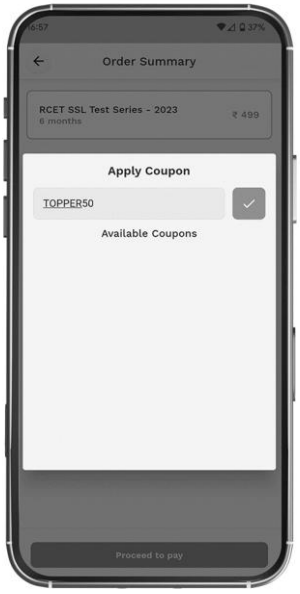

STEP:5

Enter the coupon code.

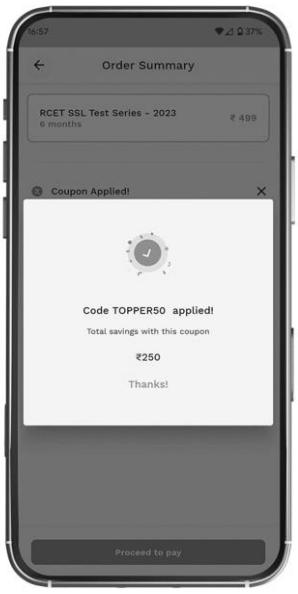

STEP:6

Your code will be applied and then proceed with the payment.

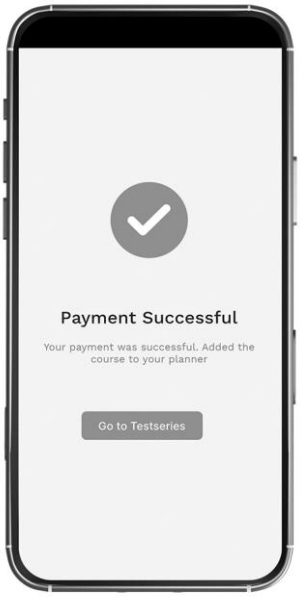

STEP:7

After successful payment click on go to test series

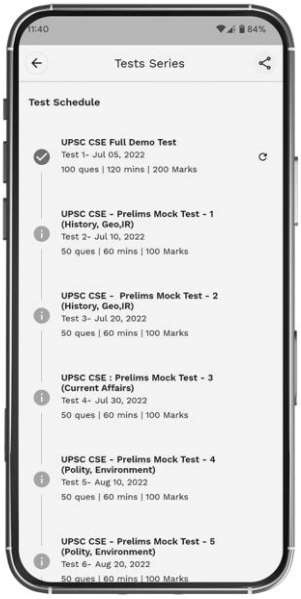

STEP:8

Your test series subscription is active now

For any technical support or queries call

9614-828-828

Email

apps@toppersnotes.com

1 CHAPTER भारत और उसके पड़ोसी देश

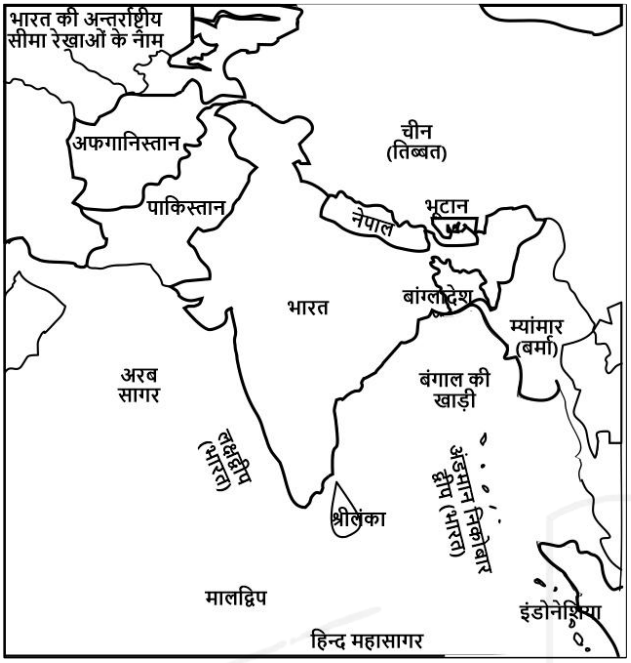

- भारत के पड़ोसी देश - पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार
  - समुद्री पड़ोसी देश - श्रीलंका और मालदीव
- भारत की नीति दृष्टि: व्यापार, संपर्क और लोगों से लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने पर जोर देने के साथ दक्षिण एशियाई शांति और सहयोग को बढ़ावा देना।

नेबरहुड फर्स्ट नीति

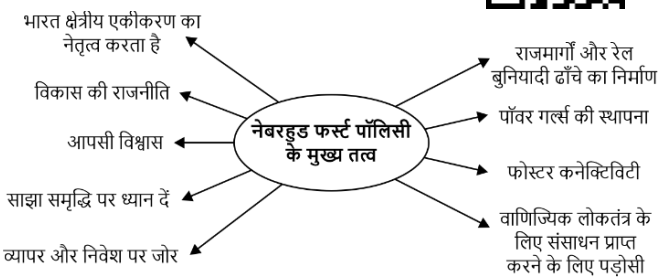

नेबरहुड फर्स्ट नीति के पीछे की विचारधारा

- भारत को अपने पड़ोस की घटनाओं पर प्रतिक्रिया करने के बजाय उन घटनाओं पर नियंत्रण करना चाहिए।
  - अंतर्राष्ट्रीय मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की भारत की इच्छा के अनुरूप।
- पारस्परिक रूप से लाभकारी क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग के माध्यम से अधिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए ।
  - विदेश नीति के लिए एक सुपरिभाषित प्रतिमान का अनुसरण करें ।
- भारत की आर्थिक कूटनीतिक रणनीति का मुख्य सार पड़ोसियों को पहले रखने में है।
- **मुख्य विशेषताएं**
  - **पड़ोसियों को तत्काल प्राथमिकता-** विकास योजना को प्राप्त करने के लिए दक्षिण एशिया में शांति और शांति सुनिश्चित करना।
  - **क्षेत्रीय कूटनीति:** पड़ोसी देशों के साथ जुड़ने और बातचीत के माध्यम से राजनीतिक संबंध बनाने पर जोर।
  - **द्विपक्षीय मुद्दों को हल करना-** द्विपक्षीय चिंताओं के लिए पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान खोजना। उदाहरण- भारत-बांग्लादेश ने भूमि सीमा समझौते LBA) Land Boundary Agreement(पर हस्ताक्षर किए।
  - **कनेक्टिविटी-** भारत ने राष्ट्रीय सीमाओं के पार संसाधनों, ऊर्जा, माल, श्रम और सूचनाओं की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए SAARC के सदस्यों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
  - **आर्थिक सहयोग:** व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए। SAARC क्षेत्रीय विकास के लिए एक तंत्र के रूप में भारत की भागीदारी और निवेश से लाभान्वित हुआ। ऊर्जा विकास के लिए BBIN (Bangladesh Bhutan India Nepal) समूह, जिसमें मोटर वाहन, जलशक्ति प्रबंधन और इंटर-ग्रिड कनेक्टिविटी शामिल हैं।
  - **तकनीकी सहयोग:** पूरे दक्षिण एशिया के लोगों के साथ टेलीमेडिसिन और ई-लर्निंग जैसे प्रौद्योगिकी के लाभों को साझा करने के लिए सार्क उपग्रह लॉन्च किया गया।
  - **आपदा प्रबंधन:** भारत सभी दक्षिण एशियाई नागरिकों को आपदा प्रतिक्रिया, संसाधन प्रबंधन, मौसम पूर्वानुमान और विशेषज्ञता प्रदान करता है। नेपाल में 2016 में आए भूकंप के बाद भारत ने असाधारण सहायता प्रदान की।
  - **रक्षा सहयोग:** भारत रक्षा संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से सूर्य किरण)नेपाल(और संप्रति,)बांग्लादेश(जैसे अभ्यासों के माध्यम से क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ा रहा है।
  - **पड़ोसियों को सहायता:** दान या 'दान' के मूल्य के साथ सद्भावना संकेत ।
    - नेपाल, श्रीलंका और भूटान जैसे पड़ोसियों को तकनीकी सहायता।
    - अनियोजित अनुदान के तहत मानव संसाधन संबंधी प्रशिक्षण।
    - विकास कूटनीति के एक उपकरण के रूप में ITEC (Indian Technical and economic cooperation) छात्रवृत्ति और क्रेडिट लाइन

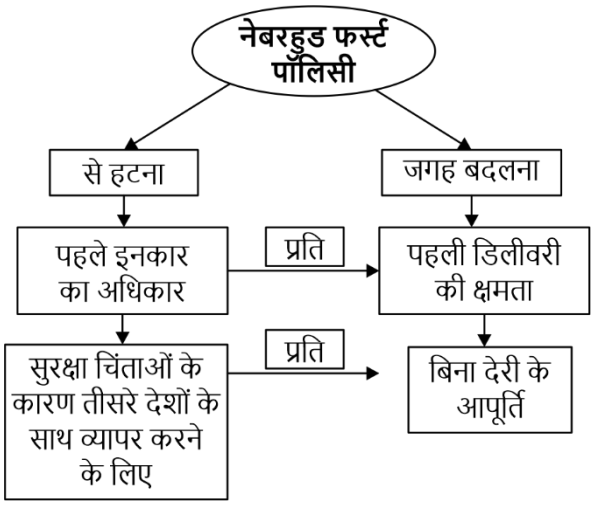

नेबरहुड फर्स्ट नीति के समक्ष चुनौतियां

- **नेपाल** का आरोप लगाता है कि-
  - भारत ने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप किया।
  - भारत ने सार्वजनिक रूप से नेपाल के संविधान के प्रति अपना असंतोष व्यक्त किया है ।
  - भारत ने नाकेबंदी का सहारा लेकर, नेपाल को UN से शिकायत करने के लिए विवश किया ।
  - भारत ने ओली सरकार को गिराने के लिए रॉ का सहारा लिया।
- **श्रीलंका**- आरोप लगाता है कि श्रीलंका के तत्कालीन रॉ स्टेशन प्रमुख के एलंगो, राजपक्षे सरकार को गिराने का इरादा रखते थे।
- **मालदीव**- आरोप है कि नशीद को गिरफ्तार किए जाने पर भारत अति उत्साही और अनुचित व्यवहार प्रदर्शित करता रहा है।
- **पाकिस्तान**- सबसे बड़ी कूटनीतिक और सुरक्षा दुविधा। भारत की कठिनाई एक ऐसे राज्य के साथ संबंधों का प्रबंधन करना है जो खुले तौर पर राज्य की नीति के एक उपकरण के रूप में आतंक का उपयोग करता है और जिसके पास कई शक्ति केंद्र हैं।
- **अफगानिस्तान**- तालिबान द्वारा हालिया अधिग्रहण अफगानिस्तान में भारत द्वारा किए गए सभी विकासात्मक प्रयासों को खतरे में डालता है।
- **चीन**- भारतीय उपमहाद्वीप में अपने पैर पसार रहा है। ग्वादर बंदरगाह का निर्माण, स्ट्रिंग ऑफ़ पर्ल्स, OBOR पहल ने संबंधों में संदेह को जन्म दिया है। CPEC, POK से होकर गुजरता है।
- **बांग्लादेश**- तीस्ता नदी के पानी जैसे अनसुलझे मुद्दे, अवैध प्रवास का मुद्दा आदि ।

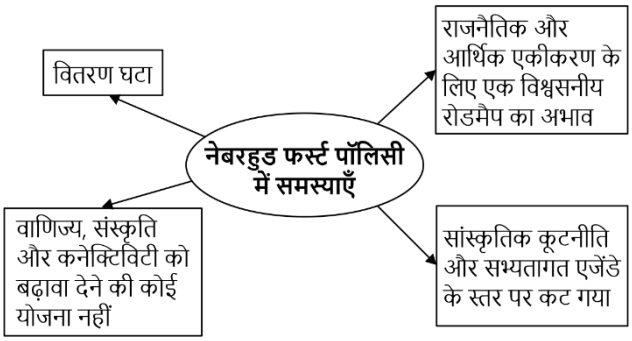

आगे की राह

- कूटनीति- भारत को अहंकार दिखाने की बजाय धैर्यवान कूटनीति का सहारा लेना चाहिए।
- कनेक्टिविटी- सीमा पार परिवहन और संचार संबंध स्थापित करने में अग्रणी होना चाहिए।
- क्षमता विकास- अधिक विदेशी राजनयिकों और नौकरशाहों की भर्ती करके।
- सॉफ्ट पावर- भारत की साझा संस्कृति क्षेत्र में अपनी जड़ें गहरी करने का अवसर प्रदान करती है।
- आर्थिक विकास- अपने बाजारों का विस्तार करने और अपने बुनियादी ढांचे में सुधार करने के लिए पड़ोसियों के साथ सहयोग करें। सतत और समावेशी विकास पर जोर दिया जाना चाहिए।

भारत-अफगानिस्तान

- आधिकारिक तौर पर अफगानिस्तान का इस्लामी अमीरात। राजधानी काबुल ।
- मध्य और दक्षिण एशिया के चौराहे पर स्थित स्थलबद्ध देश
- पड़ोसी - पूर्व और दक्षिण में पाकिस्तान (पाकिस्तान-नियंत्रित गिलगित-बाल्टिस्तान के साथ एक छोटी सीमा जोकि, भारत द्वारा दावा किया गया क्षेत्र है), पश्चिम में ईरान, उत्तर में तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान, और उत्तर-पूर्व में ताजिकिस्तान और चीन।
- क्षेत्रफल 652,864 वर्ग किमी. मुख्य रूप से पहाड़ी, उत्तर और दक्षिण-पश्चिम में मैदानी इलाकों के साथ हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला से अलग।

ऐतिहासिक संबंध

- प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के बाद से संबंध मौजूद थे।
  - सिकंदर के उत्तराधिकारियों में से एक, सेल्यूकस निकेटर ने गठबंधन संधि के हिस्से के रूप में 305 ईसा पूर्व में मौर्य साम्राज्य को सौंपने से पहले अफगानिस्तान के अधिकांश हिस्से को नियंत्रित किया था।
- मध्यकालीन
  - 10वीं मध्य 18वीं शताब्दी- भारत के उत्तरी क्षेत्रों में कई आक्रमणकारियों जैसे गजनवी, घुरिद, खिलजी, सूरी, मुगल और दुर्रानी द्वारा आक्रमण।
  - मुगल काल अपने क्षेत्रों में राजनीतिक अस्थिरता के कारण अफगानी भारत आए।
- आधुनिक:
  - खान अब्दुल गफ्फार खान - भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेता और कांग्रेस के सक्रिय समर्थक।
- स्वतंत्रता के बाद भारत - 1980 के दशक में सोवियत समर्थित लोकतांत्रिक गणराज्य अफगानिस्तान को मान्यता देने वाला एकमात्र दक्षिण एशियाई देश है हालांकि 1990 के दशक के अफगान गृहयुद्ध और तालिबान सरकार के दौरान संबंध कम हो गए।
  - तालिबान की सहायता से तख्तापलट किया ।
- सामरिक साझेदारी समझौता: अक्टूबर 2011 में हस्ताक्षरित।
  - उद्देश्य अफगानिस्तान के बुनियादी ढांचे और संस्थानों का पुनर्निर्माण करना।
  - स्वदेशी अफगान क्षमता के पुनर्निर्माण के लिए शिक्षा और तकनीकी सहायता प्रदान करना।
  - अफगानिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों में निवेश को प्रोत्साहित करना।
  - भारतीय बाजार में अफगानिस्तान के निर्यात को शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान करना।
- भारत - अफगानिस्तान को 5वां सबसे बड़ा दाता और सबसे बड़ा क्षेत्रीय दाता।
- भारत ने सुरक्षा-केंद्रित दृष्टिकोण से क्षेत्रीय विश्वास निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया।

अफगानिस्तान और तालिबान

- अफगानिस्तान से सोवियत सैनिकों की वापसी के बाद 1990 के दशक की शुरुआत में तालिबान का उदय हुआ।
- तालिबान ने 1996 से 2001 तक अफगानिस्तान पर शासन किया लेकिन घोर कुशासन के कारण अमेरिकी आक्रमण हुआ।
- जब से अमेरिका और उसके सहयोगियों ने ओसामा बिन लादेन को मारने के आधार पर अफगानिस्तान पर हमला किया, तालिबान नियंत्रण प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहा है।
- हाल ही में, US-तालिबान शांति समझौता, विदेशी बलों की वापसी, कैदियों की रिहाई और तालिबान की मान्यता आदि।
- अमेरिका के हटने के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया।

उत्तरी गठबंधन

- अफगान नॉर्दर्न एलायंस/यूनाइटेड इस्लामिक फ्रंट।
- तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद 1996 के अंत में एक संयुक्त सैन्य मोर्चे का गठन हुआ।
  - जिसमें ईरान, रूस, तुर्की, भारत, अमेरिका आदि से समर्थन प्राप्त हुआ ।
- अफगानिस्तान में अमेरिकी प्रवेश। तालिबान के खिलाफ 2 महीने के युद्ध में जमीन पर उत्तरी गठबंधन के सैनिकों को समर्थन प्रदान किया, जिसे उन्होंने दिसंबर 2001 में जीता था।
- तालिबान को देश के नियंत्रण से बाहर किया गया। सदस्य और दलों के करजई प्रशासन की नई स्थापना में शामिल होने पर बाद में उत्तरी गठबंधन भंग हो गया ।

सहयोग के क्षेत्र

सांस्कृतिक संबंध

- अफगानिस्तान 2000 से अधिक वर्षों से भारत के साथ फारस, मध्य एशिया की सभ्यताओं को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण व्यापार और शिल्प केंद्र रहा है ।
- छात्रवृत्ति कार्यक्रम काबुल में हबीबिया स्कूल का पुनर्निर्माण और नवीनीकरण।
  - भारत अफगानिस्तान को सालाना 500 ITEC स्लॉट प्रदान करता है।
  - अफगान नागरिकों को प्रति वर्ष 1000 छात्रवृत्ति की विशेष छात्रवृत्ति योजना।

राजनीतिक संबंध

- 2011: भारत-अफगान संबंधों को मजबूत करने के लिए रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
- काबुल में नया चांसरी परिसर: भारत का नया दूतावास।

आर्थिक संबंध

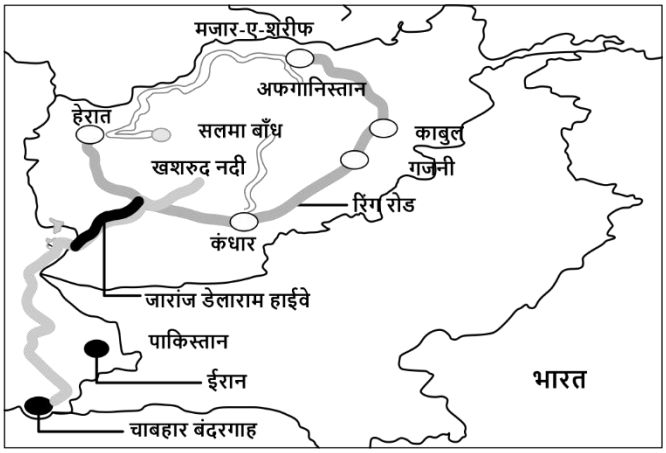

- **आधारभूत संरचना:** भारतीय सहायता से निर्मित
  - हरिरुद नदी पर हेरात क्षेत्र में अफगान-भारत मैत्री बांध (सलमा बांध)
  - अफगान संसद
  - जरांज-डेलाराम राजमार्ग (218 किलोमीटर लंबा, Border Road organization द्वारा निर्मित) अफगान-ईरान सीमा के साथ
  - शक्ति का आधारभूत ढाँचा: काबुल के उत्तर में पुल-ए-खुमरी से 220kV DC ट्रांसमिशन लाइन।
- **कनेक्टिविटी (संयोजकता)**
  - डायरेक्ट एयर फ्रेट कॉरिडोर।
  - चाबहार बंदरगाह सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत, ईरान अफगानिस्तान और मध्य एशियाई क्षेत्र के साथ समुद्री-भूमि संपर्क बढ़ाने के लिए।
  - TAPI 2016 में लॉन्च किया गया। हर साल 33 बिलियन क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस ले जाने का लक्ष्य। पाइपलाइन तुर्कमेनिस्तान से अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रास्ते भारत तक जाती है।
  - TAPI – तुर्केमेनिस्तान ,अफगानिस्तान ,पाकिस्तान , इंडिया
  - – INSTC इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कोरिडोर
  - INSTC ईरान के माध्यम से रूस, यूरोप और यूरेशिया को भारत से जोड़ने के लिए व्यापार गलियारा परियोजना।
    - मध्य एशिया से कनेक्टिविटी के लिए INSTC के साथ भारत समर्थित चाबहार पोर्ट

वखान कॉरिडोर

- अफगानिस्तान का गलियारा और चीन का झिंजियांग प्रांत जो कि भारत के लिए भू-रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

वखान कारीडोर का सबसे संकरा हिस्सा 12.871 मी. हैं 1947 के बाद भारत, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को मान्यता नहीं देता है, वखान से सीमाएँ लगती हैं इस प्रकार भारत के अनुसार वखान में अफगानिस्तान के साथ सीमा लगती हैं

- वखान कॉरिडोर के सिरे पर स्थित क्षेत्र CPEC के लिए एक प्रमुख चौराहे के रूप में विकसित हो रहा है।
- भारत की चिंता
  - CPEC के माध्यम से चीन की मौजूदगी से भारत की क्षेत्रीय अखंडता प्रभावित होगी।
  - जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ेगा।
  - चीन गलियारे को 'शक्ति या संघर्ष के गलियारे' के जिज्ञासु मामले में बदलने की योजना बना रहा है।
- भारत की 2 विषयों के साथ प्रस्तावित भव्य रणनीति-
  - 'जम्मू-कश्मीर का डी बाल्केनाइजेशन'
  - 'एशिया का पुन: एशियाईकरण'।

रक्षा और सुरक्षा संबंध

- क्षमता निर्माण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में अफगान सैनिकों का प्रशिक्षण।
- अफगान सुरक्षा बलों के शहीदों के बच्चों के लिए 500 छात्रवृत्ति।
- रक्षा उपकरणों की आपूर्ति अफगान वायु सेना को 4 एमआई-25 अटैक हेलीकॉप्टर का उपहार।
- पुलिस:
  - पुलिस प्रशिक्षण और विकास पर तकनीकी सहयोग पर समझौता ज्ञापन भारत द्वारा अफगान सैनिकों की अपनी क्षमता निर्माण का विस्तार करने की मांग करता है।
  - सामरिक भागीदारी परिषद में 116 "नई विकास परियोजनाओं" के लिए एक भारतीय प्रतिबद्धता और संवर्धित सुरक्षा सहयोग शामिल है

भारत के प्रयासों में चुनौतियां

- **सुरक्षा चिंतायें :**
  - अफगानिस्तान से नाटो के नेतृत्व वाले सुरक्षा सहायता बल के जवानों की वापसी अफगानिस्तान को अस्थिरता और आतंकवाद के लिए पुन: स्प्रिंगबोर्ड में बदल रहा है
  - तालिबान सरकार का अफगानिस्तान में गठन।
- तालिबान को पाकिस्तान का समर्थन- भारत के विकास प्रयासों को अस्थिर करना।

- स्थिरता की चुनौती- बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और विद्रोही प्रभाव या क्षेत्र के नियंत्रण के कारण, भारतीय परियोजनाओं की स्थिरता संदिग्ध है।

<u>भारत के लिए अफगानिस्तान में तालिबान के अधिग्रहण के निहितार्थ(आशय)</u>

<u>राजनीतिक (आशय)</u>

- समझौते में तालिबान को अफगान भूमि पर, विशेष रूप से अमेरिका और उसके सहयोगियों के खिलाफ किसी भी आतंकवादी कार्यवाही की अनुमति देने से रोकने वाला एक खंड शामिल है।
- यह स्पष्ट नहीं है कि भारत, जो अमेरिका का सहयोगी नहीं है, प्रभावित होगा या नहीं।
- तालिबान पर पाकिस्तान का बोलबाला हो सकता है क्योंकि उसे एक करीबी सहयोगी माना जाता है।
- तालिबान की विचारधारा पाकिस्तान से जुड़ी हुई है जोकि भारतीय विचारधारा के विरोधी है।

<u>भारत की आर्थिक चिंता</u>

- चाबहार बंदरगाह की किस्मत अधर में है। पाकिस्तान को दरकिनार करने के उद्देश्य से बनाया गया है। यदि तालिबान विजयी होता है, तो बंदरगाहों की प्रासंगिकता संदेह में होगी।
- भारत ने अफगानिस्तान को 3 अरब डॉलर की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण में मदद की है। महत्वपूर्ण लोगों में सलमा बांध, शहतत बांध, अफगान संसद आदि शामिल हैं।
- भारत के तालिबान विरोधी रुख को देखते हुए इन संरचनाओं पर हमले का खतरा है

सुरक्षा संबंधी चिंताएं

- अफ़ग़ानिस्तान की धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी तत्व कर सकते हैं
- जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा ने अपना ठिकाना अफगानिस्तान में स्थानांतरित कर दिया है
- कश्मीर के उग्रवादियों को अफगानिस्तान में तैनात किया जा सकता है और भारत विरोधी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है

चिंताएँ

- तालिबान के नियंत्रण में आने से मध्य एशिया का रास्ता भारत के लिए बंद हो सकता है।
- तालिबान शासन पाकिस्तान और चीन जैसे देशों को सहायता दे सकता है जोकि भारत के रणनीतिक हितों में नहीं है ।

भारत-श्रीलंका संबंध

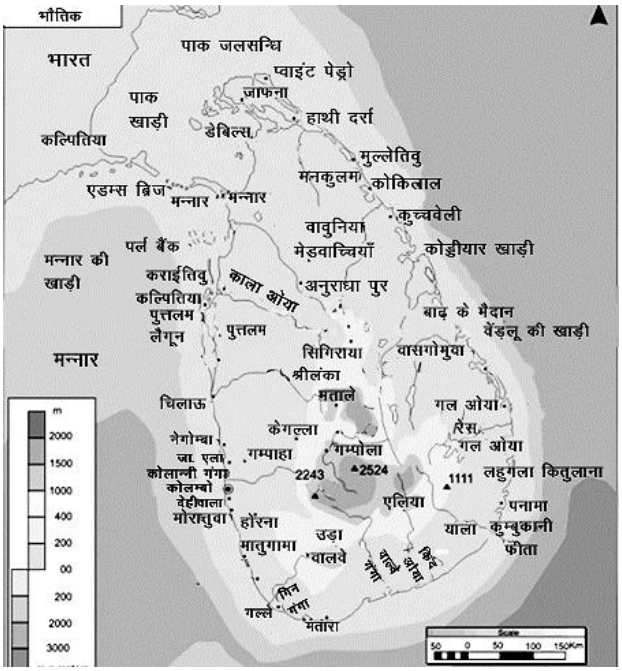

श्रीलंका का संक्षिप्त विवरण

- आधिकारिक नाम डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ श्रीलंका।
- स्थान दक्षिण एशिया में द्वीपीय देश जो हिंद महासागर में स्थित है।
  - दक्षिण पश्चिम- बंगाल की खाड़ी
  - दक्षिण पूर्व- अरब सागर
  - उत्तर- पाक जलडमरूमध्य
- समुद्री सीमा भारत और मालदीव।
- राजधानी श्री जयवर्धनेपुरा कोट्टे, (विधायी राजधानी)

ऐतिहासिक संबंध

प्राचीन श्रीलंका का सबसे पहला उल्लेख –रामायण में

- लंका के राजा रावण द्वारा सीता को बंदी बनाने पर भारत के पहले राजनयिक हनुमान ने एडम बाध के निर्माण से राम को लंका तक पहुँचने में मदद की ।

मध्यकालीन बौद्ध धर्म लगभग 2000 साल पहले अशोक के दौरान श्रीलंका में प्रसार हुआ था ।

स्वतंत्रता पूर्व

- ब्रिटिश शासन श्रीलंका (तत्कालीन सीलोन) ब्रिटिश शासन के अधीन जोकि ब्रिटिश भारत साम्राज्य का हिस्सा नहीं था और अलग से प्रशासित किया जा रहा था।
- 1830 ब्रिटिश भारत से अनुबंधित श्रमिकों को, विशेष रूप से तमिलनाडु से, सीलोन ले गए।
- अंग्रेजों द्वारा ले जाए गए तमिल सीलोन के उत्तरी भाग में बस गए।

स्वतंत्रता के बाद:

- 1949 में तमिलों को मताधिकार से वंचित कर दिया गया।

- 1956 के राजभाषा अधिनियम संख्या 33 या सिंहल केवल अधिनियम ने तमिल को छोड़कर, सिलोन की एकमात्र आधिकारिक भाषा के रूप में सिंहल के साथ अंग्रेजी को बदल दिया।
- तमिलों के साथ और संस्थागत भेदभाव।
- (IPKF) – इंडिया पीस कीपिंग फोर्सेस
- लिबरेशन टाइगर्स ऑफ़ तमिल ईलम (LTTE) 1983 से 2009 तक श्रीलंकाई सशस्त्र बलों के साथ सशस्त्र संघर्ष में शामिल था ।
- भारत-श्रीलंका समझौता, 1987-
  - संबंधित पक्ष- PM राजीव गांधी और राष्ट्रपति जे.आर. जयवर्धने ।
  - उद्देश्य- श्रीलंका में गृहयुद्ध को समाप्त करना ।
  - श्रीलंका के संविधान में 13वें संशोधन द्वारा सक्षम स्वायत्तता के साथ प्रांतीय परिषदों के निर्माण की परिकल्पना की गई।
  - भारतीय शांति सेना (IPKF) ने श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी प्रांतों को "शत्रुता की गारंटी और लागू करने के लिए" तमिल अलगाववादी समूहों और सरकार को भेजा।
- 1991 में पूर्व PM राजीव गांधी की हत्या- इसके बाद रिश्ते और तनावपूर्ण हो गए और श्रीलंका में जातीय संघर्ष के प्रति भारत के रवैये में बदलाव आया।
- श्रीलंका में गृह युद्ध 2009 में सैन्य अभियान के माध्यम से समाप्त हुआ।
- श्रीलंका के खिलाफ भारत का UNHRC वोट- भारत ने 2009, 2012, 2013 में मानवाधिकार परिषद् में लिट्टे के खिलाफ श्रीलंका के युद्ध की जांच की मांग करने वाले प्रस्तावों के पक्ष में मतदान किया।
- 2014 में भारत में सरकार बदलने और 2015 में श्रीलंका ने दोनों देशों के बीच नए जुड़ाव का अवसर प्रदान किया।
- असैन्य परमाणु समझौते पर 2015 में हस्ताक्षर किए गए।

लिबरेशन टाइगर्स ऑफ़ तमिल ईलम (LTTE)

- स्वयंभू "तमिल ईलम के लोगों का राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन"।
- सरकार और प्रशासन पर छापामार युद्ध (गुरिल्ला युद्ध) शुरू किया।
- सिंहली के खिलाफ श्रीलंका में कई आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया और राजीव गांधी की हत्या की

सहयोग के क्षेत्र

आर्थिक और व्यापार संबंध

- भारत विश्व स्तर पर श्रीलंका का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
- श्रीलंका सार्क में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
- भारत-श्रीलंका एफटीए 2000 में हस्ताक्षरित। इस अधिनियम के बाद दोनों देशों में व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई ।
- द्विपक्षीय व्यापार लगभग 2020 में 3.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर।
- भारत से निर्यात मोटर वाहन, खनिज ईंधन और तेल, कपास, फार्मास्युटिकल उत्पाद, प्लास्टिक लेख, लोहा और इस्पात, रसायन, सीमेंट, चीनी आदि।
- SL से निर्यात प्रसंस्कृत मांस उत्पाद, पोल्ट्री फीड, अछूता तार और केबल, बोतल कूलर, परिधान, वायवीय टायर, टाइल और सिरेमिक उत्पाद, रबर के दस्ताने, बिजली के पैनल बोर्ड और बाड़े, मशीनरी के पुर्जे, भोजन की तैयारी और मसाले ।
- **निवेश**
  - **श्रीलंका में भारतीय निवेश-**
    - क्षेत्र: पेट्रोलियम खुदरा, पर्यटन और होटल, विनिर्माण, अचल संपत्ति, दूरसंचार, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं।
  - **भारत में श्रीलंकाई निवेश-**
    - ब्रैंडिक्स (विशाखापत्तनम में एक गारमेंट सिटी स्थापित करने के लिए लगभग 1 बिलियन अमेरिकी की डालर) ।
    - MAS होल्डिंग्स, डमरो, LTL होल्डिंग्स ।
  - मुद्रा स्वैप समझौते RBI ने विदेशी भंडार को बढ़ावा देने और देश की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए श्रीलंका को 400 मिलियन अमेरीकी डालर की मुद्रा स्वैप सुविधा का विस्तार करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- 2005 से 2019 तक भारत से FDI लगभग $ 1.7 बिलियन था।
- क्रेडिट लाइन पिछले 15 वर्षों में एक्जिम बैंक द्वारा श्रीलंका को 11 एलओसी प्रदान किए गए।
  - सेक्टर रेलवे, परिवहन, कनेक्टिविटी, रक्षा, सौर ।
  - पूर्ण की गई महत्वपूर्ण परियोजनाएं-
    - रक्षा उपकरणों की आपूर्ति।
    - कोलंबो से मतारा तक रेलवे लाइन का उन्नयन।
    - ओमानथाई-पल्लई सेक्टर पर इरकॉन द्वारा ट्रैक बिछाना।
    - मधु चर्च तलाईमन्नार, मेदावाचिया-मधु रेलवे लाइन।
    - पल्लई-कांकेसंथुरई रेलवे लाइन का पुनर्निर्माण।
    - सिग्नलिंग और दूरसंचार प्रणाली।
    - बसों, डीजल लोकोमोटिव रेलवे, डीएमयू, कैरियर और फ्यूल टैंक वैगन आदि के लिए इंजन किट की आपूर्ति।
- श्रीलंका सरकार और एक्जिम बैंक के मध्य 2021 ,जून 16 को श्रीलंका ने सौर परियोजनाओं को शुरू करने के लिए

मिलियन अमेरिकी डॉलर के एलओसी 100 पर हस्ताक्षर किए गए ।
    - (सरकारी भवन, कम आय वाले परिवारों) के लिए रूफटॉप सोलर यूनिट और फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट।
- **विकासात्मक और बुनियादी ढाँचा**
    - **कोलंबो-मतारा रेल लिंक-** इस सुनामी-क्षतिग्रस्त लिंक की मरम्मत और उन्नयन के लिए $167.4 मिलियन की LOC बढ़ा दी गई है।
    - **उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में बुनियादी ढांचा**
        - जाफना कोलंबो रेल ट्रैक और अन्य रेलवे लाइनों का उन्नयन।
        - भारत से बिजली आयात के लिए बिजली पारेषण लाइनें उपलब्ध कराना, और कांकेसंथुराई बंदरगाह का पुनर्निर्माण।
    - त्रिंकोमाली बंदरगाह और तेल टैंक फार्म भारत ने इसके विकास के लिए 1987 में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। स्थान, केरलपिटिया कोलंबो के पास
    - संयुक्त भारत-जापान समझौता 2019 में हस्ताक्षरित-
        - उद्देश्य कोलंबो बंदरगाह पर ईस्ट कंटेनर टर्मिनल और मटला हवाई अड्डे के संचालन की पेशकश जैसी अन्य परियोजनाओं को विकसित करना ।
- **स्वास्थ्य देखभाल-** भारत ने हंबनटोटा और पॉइंट पेड्रो के अस्पतालों को चिकित्सा उपकरण की आपूर्ति की, मध्य प्रांत आदि को 4 अत्याधुनिक एम्बुलेंस की आपूर्ति की।
- **पर्यटन-** 2015 में श्रीलंकाई पर्यटकों के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई ई-पर्यटक वीजा (ETV) योजना
- **पुनर्वास -** भारतीय आवास परियोजना जो कि बागान क्षेत्रों में युद्ध प्रभावित और एस्टेट श्रमिकों के लिए घर बनाने के लिए थी ।

रक्षा संबंध

- **संयुक्त अभ्यास**
    - मित्र शक्ति- संयुक्त सैन्य अभ्यास।
    - SLINEX- संयुक्त नौसेना अभ्यास ।
- **SAGAR -** श्रीलंका अपनी सुरक्षा और क्षेत्र में सभी के विकास में भारत का समर्थन करता है। (SAGAR)

सांस्कृतिक संबंध

- सांस्कृतिक सहयोग, समझौता- नवंबर, 1977 नई दिल्ली में संपन्न ।
- **SAGAR –** सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन दी रीजन ।
    - दोनों देशों के मध्य समय-समय पर सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों का आधार पर ।
- **स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (SVCC)-**
    - भारतीय उच्चायोग, कोलंबो की सांस्कृतिक शाखा ।
    - प्रशिक्षण के क्षेत्र: भरतनाट्यम, कथक, हिंदुस्तानी और कर्नाटक गायन, वायलिन, सितार, तबला, हिंदी और योग ।
- **सहयोग अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मंचों पर-**
    - SAARC, BIMSTEC, दक्षिण एशिया सहकारी पर्यावरण कार्यक्रम, दक्षिण एशियाई आर्थिक संघ जैसे कई क्षेत्रीय और बहुपक्षीय संगठनों के दोनों सदस्य।

चुनौतियां

- **श्रीलंका में तमिलों के मुद्दे-**
    - श्रीलंकाई तमिलों को नागरिकता से वंचित करना।
    - 1956 में सिंहली और तमिलों के बीच भाषाई भेदभाव, जब सिंहली को आधिकारिक भाषा बनाया गया था।
    - धार्मिक भेदभाव: बौद्ध धर्म प्राथमिक धर्म और राज्य द्वारा तमिल रोजगार और उच्च शिक्षा के संस्थानों में प्रवेश बहुत प्रतिबंधित था।
    - बढ़ते तमिल अलगाववाद और उग्रवाद के कारण तीव्र आंदोलनों ने 1970 के दशक में लिट्टे नामक एक आतंकवादी संगठन को जन्म दिया।
- **मछुआरों का मुद्दा**

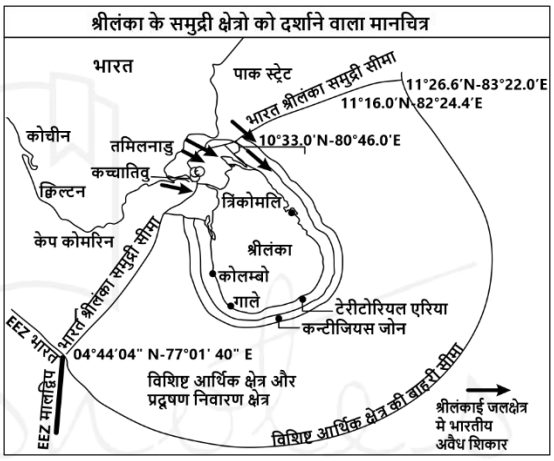

- **कच्चातीवू द्वीप मुद्दा**-
    - नेदुन्थीवु) श्रीलंका(और रामेश्वरम) भारतके (मध्य में स्थित एक निर्जन द्वीप।
    - कच्चीतीवू द्वीप समझौता जिसके तहत भारत ने इसे 1974 में श्रीलंका को सौंप दिया था।
    - बाद में, श्रीलंका ने कैथोलिक तीर्थस्थल के कारण कच्चातीवू को एक पवित्र भूमि घोषित किया।
    - तमिलनाडु के दावे: कच्चातीवू भारतीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है और इसलिए वहां मछली के अधिकार को संरक्षित करना चाहता है।
- **भारत-श्रीलंका संबंधों में चीन वाला कारक**
    - श्रीलंका ने चीन की प्रमुख कनेक्टिविटी परियोजना, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) का समर्थन किया।
    - श्रीलंका ने हंबनटोटा बंदरगाह को 99 साल के लिए चीन को पट्टे पर दिया जो भारत के लिए चिंता का विषय है।
- **तस्करी का मामला -**
    - समुद्री मार्ग से अवैध रूप से सोने, ड्रग्स, नकली भारतीय करेंसी नोट (FICN), वन्यजीव और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी होती है ।

आगे की राह

- दोनों राष्ट्र के मध्य लोकतांत्रिक - संबंधों को बढ़ाने और मजबूत करने के अवसर।
- मछुआरों का मुद्दा- दोनों को द्विपक्षीय चर्चा के जरिए दीर्घकालिक समाधान निकालना चाहिए।
- CEPA: दोनों देशों के मध्य आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए।
- ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों पर अधिक जोर।
- भारत और श्रीलंका के बीच फेरी सेवाओं के शुभारंभ के माध्यम से लोगों से लोगों के बीच संपर्क।
- CEPA– काम्प्रेहेंसिव इकोनोमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट
- एक दूसरे की चिंताओं और हितों की पारस्परिक स्वीकृति दोनों देशों को अपने संबंधों को बढ़ाने में मदद कर सकती है।

भारत-मालदीव संबंध

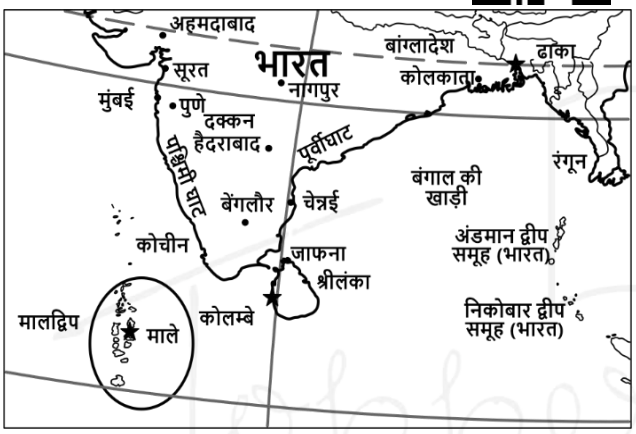

- आधिकारिक नाम- मालदीव गणराज्य ।
- एशिया के भारतीय उपमहाद्वीप में द्वीपीय समूह देश जोकि हिंद महासागर में स्थित है।
- श्रीलंका और भारत के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है जोकि एशियाई महाद्वीप की मुख्य भूमि से लगभग 750 किलोमीटर दूर है।
- भारत और मालदीव पुरातनता में डूबे जातीय, भाषाई, सांस्कृतिक, धार्मिक और वाणिज्यिक सम्पर्क साझा करते हैं।
- मालदीवियन द्वीपसमूह छागोस-लक्षद्वीप रिज पर स्थित है, जो भारतीय महासागर रिम में एक विशाल पर्वतीय श्रृंखला है, जो चागोस द्वीपसमूह और लक्षद्वीप के साथ मिलकर एक स्थलीय पर्यावरण-क्षेत्र बनाती है।

ऐतिहासिक संबंध

- स्वतंत्रता पूर्व- मालदीव, 1880 के दशक के मध्य से एक ब्रिटिश उपनिवेश रहा है जो 6 दिसंबर, 1887 को एक ब्रिटिश संरक्षित राज्य बन गया।
- स्वतंत्रता के बाद- भारत, 1965 में स्वतंत्रता के बाद मालदीव को मान्यता देने वाला पहला और राजनयिक संबंध स्थापित करने वाला पहला देश था।
- फरवरी 2012 से नवंबर 2018 तक की संक्षिप्त अवधि को छोड़कर, संबंध घनिष्ठ, सौहार्दपूर्ण और बहुआयामी रहे हैं।

भू-राजनीतिक और सामरिक महत्व

- भारत के पश्चिमी तट से निकटता
  - मिनिकॉय से 70 नॉटिकल मील और वेस्ट कोस्ट से 300 नॉटिकल मील।
- सामुद्रिक डकैती का मुकाबला- मालदीव समुद्री डकैती का शिकार है और भारत के साथ मिलकर इससे निपटने के लिए सामूहिक भागीदारी का पक्षधर है।
- गन रनिंग एंड आतंकवाद- मालदीवियन कॉप ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार: मालदीव भारतीय महासागर रिम के वाणिज्यिक समुद्री मार्गों के केंद्र में स्थित है।
  - मात्रा के हिसाब से भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का 97% और मूल्य के हिसाब से 75% यहीं से होकर गुजरता है।
- चीन के बढ़ते हित : मालदीव में चीन तेजी से अपने पदचिह्नों का विस्तार कर रहा है।

मालदीव में राजनीतिक स्थिति और भारत की प्रतिक्रिया

- मोहम्मद नशीद - 2008 में मालदीव के लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रथम राष्ट्रपति।
  - इन्होने 2012 में तख्तापलट के बाद इस्तीफा दे दिया।
- तब से, हिंद महासागर द्वीपसमूह में राजनीतिक खींचतान देखी जा रही है।
- नशीद ने अपने उत्तराधिकारी के शासन में गिरफ्तारी के डर से एक बार भारतीय उच्चायोग में शरण ली थी।
- अब्दुल्ला यामीन 2013 में राष्ट्रपति चुने गए ।
- नशीद को आतंकवाद के आरोप में 2015 में 13 साल की जेल हुई। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक निंदा की गई।
- 2016 - मो. नशीद को ब्रिटेन में राजनीतिक शरण प्राप्त हुई
- जून 2016 - यामीन को हटाकर लोकतंत्र बहाल करने के लिए मालदीव संयुक्त विपक्ष बनाने के उद्देश्य से विपक्षी समूह एकजुट हो गए ।
- भारत व्यापक स्तर पर लोकतांत्रिक संस्थानों और द्वीपसमूह राष्ट्र में विपक्ष पर बड़े हमले पर चुप रहा है, जबकि अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ सहित अधिकांश देशों ने यामीन सरकार के उल्लंघन की निंदा की है।
- **मालदीव को भारत की सहायता-**
  - ऑपरेशन कैक्टस, 1988 भारतीय सशस्त्र बलों ने इस ऑपरेशन के तहत तख्तापलट के प्रयासों को बेअसर करने में मालदीव सरकार की मदद की।
  - 2004- सुनामी के बाद भारत ने मालदीव की मदद की।

- 'ऑपरेशन नीर', 2014- भारत ने इस ऑपरेशन के तहत पेयजल संकट से निपटने के लिए मालदीव को पेयजल की आपूर्ति की ।

तमिल ईलम का जन मुक्ति संगठन (PLOTE)-

- 1988 - PLOTE के 80 सशस्त्र उग्रवादियों को लेकर स्पीडबोट मालदीव में उतरे और देश में घुसपैठ करने वाले स्थानीय दलबदलू सहयोगियों के साथ मिलकर तख्तापलट शुरू किया।
- तत्कालीन भारतीय प्रधान मंत्री ने मालदीव सरकार की सहायता के लिए 1,600 सैनिकों को आदेश देकर ऑपरेशन केक्टस के तहत मालदीव सरकार की सहायता की।
- सहायता के अनुरोध के 12 घंटे के भीतर भारतीय सेनाएं पहुंची, तख्तापलट के प्रयास को विफल कर दिया और कुछ ही घंटों के भीतर देश पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया।

सहयोग के क्षेत्र

आर्थिक संबंध

- दोनों देशों ने 1981 में एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए ।
- द्विपक्षीय व्यापार- भारत के व्यापार संतुलन के साथ यूएस $ 290.27 मिलियन।
- UE, चीन और सिंगापुर के बाद भारत मालदीव का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
- भारतीय आयात- 3.42 मिलियन अमेरिकी डॉलर = स्क्रैप धातु ।
- भारतीय निर्यात- 290.27 मिलियन अमेरिकी डॉलर = विभिन्न प्रकार के इंजीनियरिंग और औद्योगिक उत्पाद जैसे दवाएं, रडार उपकरण, रॉक बोल्डर, समुच्चय, सीमेंट और कृषि उत्पाद जैसे चावल, मसाले, फल, सब्जियां और पोल्ट्री उत्पाद आदि।
- मालदीव में रुपे कार्ड लॉन्च करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) और बैंक ऑफ मालदीव (BML) के बीच एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान Addu में पड़ोस के मछली संयंत्रो की स्थापना के लिए उच्च प्रभाव वाले सामुदायिक विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए ।
- भारत की वित्तीय खुफिया इकाइयों के बीच सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता पर संधि के लिए अनुसमर्थन के साधन पर भी हस्ताक्षर किए जा रहे हैं।
- SBI द्वारा निवेश- यह फरवरी, 1974 से मालदीव के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, द्वीप रिसॉर्ट्स को बढ़ावा देने, समुद्री उत्पादों के निर्यात और व्यावसायिक उद्यमों के लिए ऋण सहायता प्रदान करता है।
- SBI की COVID-राहत- ने स्थानीय व्यवसायों के लिए 16.20 मिलियन अमेरीकी डालर की तरलता सहायता प्रदान की है और 200 से अधिक खुदरा खातों के लिए ऋण चुकौती को स्थगित कर दिया है।

GMR मालदीव एयरपोर्ट विवाद-

- GMR - भारतीय बुनियादी ढांचा प्रमुख है जिसे तत्कालीन मालदीव सरकार द्वारा अपने माले हवाई अड्डे को अघतन करने और एक नया हवाई अड्डा टर्मिनल बनाने के लिए $ 500 मिलियन से अधिक का अनुबंध दिया था।
- हालाँकि मौजूदा सरकार ने अनुबंध समाप्त कर दिया।
- GMR ने सिंगापुर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जिसने अनुबंध को रद्द करने पर रोक लगा दी ।
- GMR ने मध्यस्थता जीती और सरकार द्वारा $570 मिलियन का पुरस्कार कम्पनी को दिया गया ।

रक्षा सहयोग

- भारत ने मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल को "कामयाब" नामक गश्ती पोत उपहार में दिया।
- भारत मालदीव नेशनल डिफेंस फ़ोर्स (MNDF) के लिए सबसे अधिक प्रशिक्षण अवसर प्रदान करता है।
- प्रमुख परियोजनाएं- MNDF के लिए समग्र प्रशिक्षण केंद्र, तटीय रडार निगरानी प्रणाली और नए रक्षा मंत्रालय का निर्माण।
- 2 स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर) भी भारत द्वारा मालदीव के सशस्त्र बलों को दिए गए हैं।

विकास सहायता

- माले को तीन पड़ोसी द्वीपों से जोड़ने के लिए ग्रेटर मेल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट (GMCP) के लिए US $500 मिलियन की सहायता ।
- प्रमुख पूर्ण विकास सहायता- इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल, मालदीव तकनीकी शिक्षा संस्थान, राष्ट्रीय पुलिस अकादमी का निर्माण आदि।
- हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स (HICDP) के तहत परियोजनाओं के लिए अनुदान- एम्बुलेंस, कन्वेंशन सेंटर, ड्रग रिहैबिलिटेशन सेंटर, पुलिस स्टेशन अपग्रेडेशन, अड्डू टूरिज्म ज़ोन का विकास आदि जैसी परियोजनाएं शामिल हैं।

कोविड सहायता

- भारत और मालदीव के बीच सीधी कार्गो फेरी सेवा ।
- भारत और मालदीव के बीच एक हवाई यात्रा बुलबुले का निर्माण ।

- मालदीव को 2020-21 के लिए आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए कोटा का नवीनीकरण ।
- मालदीव को उनकी अर्थव्यवस्था पर कोविड -19 के विनाशकारी प्रभाव से निपटने में मदद करने के लिए वित्तीय सहायता का विस्तार।

पर्यटन

- मालदीव की अर्थव्यवस्था, जो अपने पर्यटन क्षेत्र पर बहुत अधिक निर्भर है, सकल घरेलू उत्पाद का लगभग चौथाई हिस्सा है।
- 2018 में, भारत मालदीव (6.1%) में पर्यटकों के आगमन का 5 वां सबसे बड़ा स्रोत है।
- चिकित्सा पर्यटन-
  - भारत मामूली कीमत पर इलाज और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कराता है।
  - यह दवा के लिए संपर्क किए जाने वाले सबसे सुलभ देशों में से एक है।
  - मालदीव- भारत की उत्कृष्ट और उन्नत चिकित्सा प्रणाली से लाभान्वित हुआ।

चिकित्सा सहयोग

- MoU- स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग और सहकारिता के लिए 8 जून, 2019 को हस्ताक्षरित।
- 2020 में प्रदान की गई स्वास्थ्य और मानवीय सहायता की श्रृंखला जिसमें ऑपरेशन संजीवनी के माध्यम से 5.5 टन आवश्यक दवाओं का दान, भारतीय वायुसेना द्वारा भारत के विभिन्न शहरों से 6.2 टन दवाएं एयरलिफ्ट करना शामिल है।
- INS केसरी द्वारा मिशन सागर के तहत 580 टन खाद्य सहायता की आपूर्ति और सहायता के लिए रैपिड रिस्पोंस मेडिकल टीम की तैनाती।
- वैक्सीन समर्थन- मालदीव भारत से कोविड -19 टीके प्राप्त करने वाला पहला देश बना जब भारत ने जनवरी 2021 में 100,000 खुराक का उपहार दिया।

लोगों से लोगों के संबंध

- भारतीय, मालदीव में दूसरा सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है ।
- मालदीव में लगभग 25% डॉक्टर और शिक्षक भारतीय नागरिक हैं ।
- शिक्षा, चिकित्सा उपचार, मनोरंजन और व्यवसाय के लिए मालदीव के लोगों के लिए भारत पसंदीदा स्थान है।
- भारत मालदीव के छात्रों को सार्क चेयर फेलोशिप और ITC के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करता है।
- माले में भारत सांस्कृतिक केंद्र (ICC), योग, शास्त्रीय संगीत और नृत्य में पाठ्यक्रम संचालित करता है।
- हिंदी व्यावसायिक फिल्में TV धारावाहिक तथा संगीत मालदीव में बेहद लोकप्रिय है ।

क्षेत्रीय सहयोग

- दोनों SAARC, साउथ एशिया सबरीजनल इकॉनोमिक कोपरेशन (SASEC), इंडियन ओसियन रिम एसोसिएशन (IORA) और हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी के सदस्य हैं ।

कनेक्टिविटी

- हवाई यात्रा बुलबुला- रोजगार, पर्यटन, चिकित्सा आपात स्थिति आदि के लिए लोगों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए।
- मालदीव में पर्यटकों की आमद बढ़ी और भारत मालदीव के लिए सबसे बड़ा पर्यटक भेजने वाला देश बन गया।
- प्रत्यक्ष कार्गो फेरी सेवा की शुरुआत- समुद्री संपर्क को बढ़ाने और आपूर्ति में पूर्वानुमेयता प्रदान करने और भारत मालदीव व्यापार के लिए रसद लागत को कम करने के लिए दोनों देशों के मध्य ।

सांस्कृतिक संबंध

- भारतीय प्रधान मंत्री को "निशान इज्जुद्दीन के विशिष्ट शासन का आदेश" प्रदान किया गया ।
  - यह मालदीव का सर्वोच्च सम्मान है जो विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को दिया जाता है ।

चुनौतियां

- **चीन की ऋणजाल कूटनीतिक**– बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं मे मिलियन अमेरिकी डॉलर से 2.5अधिक विकसित करने के लिए मालदीव ही चीन पर निर्भरता, जिसके परिणाम स्वरूप देश के सकल घरेलू उत्पाद का %40विदेशी ऋण जमा हो गया जोकि भारत के लिए चिंता का विषय है ।
- भारत की अनदेखी करते हुए चीन के साथ FTA पर हस्ताक्षर- IOR में इसके रणनीतिक निहितार्थों के लिए भारत द्वारा छोड़ी गई अपनी समुद्री सिल्क रोड परियोजना का भी समर्थन किया।
- **राजनीतिक अस्थिरता-** मालदीव को लोकतंत्र के रूप में अभी मजबूत स्थिति में लाना बाकी है।
  - उदाहरण- मालदीव ने 2012 में भारतीय बुनियादी ढांचा कंपनी GMR इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के साथ 511 मिलियन अमेरीकी डालर की परियोजना को समाप्त करने की घोषणा की।
  - मालदीव के कट्टरपंथ को बढ़ाकर और विदेशी निवेश के लिए गैर-पारदर्शी अनुमति देकर IOR की समग्र सुरक्षा को भी चुनौती दी।
- **आतंकवाद और कट्टरपंथ-** इस्लामिक स्टेट (IS) और जिहादी समूहों जैसे आतंकवादी समूहों की ओर मालदीव के लोगों द्वारा आकर्षित होकर - भारत के खिलाफ आतंकी हमलों के लिए मालदीव के द्वीपों को लॉन्चपैड के रूप में

उपयोग करने की सम्भावना मे वृद्धि करने को नकारा नहीं जा सकता ।

- **श्रमिकों की चिंताएं-** मालदीव ने 2018 में वहां काम करने वाले 2000 भारतीयों को वर्क परमिट से वंचित कर दिया और नौकरी के विज्ञापनों में 'भारतीयों को आवेदन करने की आवश्यकता नहीं' का उल्लेख किया और वीजा से इनकार किया गया ।
- **मालदीव के खिलाफ भारत का वोट-** भारत ने 2018 में UNSC के लिए एक अस्थायी सीट सुरक्षित करने के लिए मालदीव के खिलाफ मतदान किया और यहां तक कि मालदीव के खिलाफ अभियान भी चलाया।

आगे की राह

- IOR में नेट-सुरक्षा प्रदाता बनने के लिए, भारत को मालदीव के साथ घनिष्ठ सैन्य, नौसैनिक संबंधों की आवश्यकता है।
- क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की जरूरत है जिसमें हिंद महासागर रिम एसोसिएशन और हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी जैसे प्लेटफार्मों का उपयोग किया जा सकता है ।
- मालदीव 'भारत सरकार के सागर पहल ' में एक बहुत ही विशेष स्थान रखता है।
- मालदीव की 'भारत-प्रथम नीति' और भारत की 'पड़ोसी पहले नीति' सहज रूप से पूरक हैं, और इन्हें रणनीतिक संवेदनशीलता के साथ लागू करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- भारत को भारत के निकटतम पड़ोसियों के साथ विदेशी संबंधों के संचालन के मार्गदर्शन के लिए गुजराल सिद्धांत का पालन करने की आवश्यकता है।

भारत-म्यांमार संबंध

- आधिकारिक नाम: म्यांमार संघ गणराज्य, पूर्व में बर्मा, राजधानी: (नैपिघा)
- दक्षिण पूर्व एशिया महाद्वीप में सबसे बड़ा देश
- भूगोल- उत्तर पश्चिम- बांग्लादेश और भारत, पूर्वोत्तर- चीन, पूर्व- लाओस, दक्षिण पूर्व- थाईलैंड, दक्षिण- अंडमान सागर, दक्षिण पश्चिम- बंगाल की खाड़ी ।
- भारत म्यांमार के साथ स्थलीय और समुद्री सीमा साझा करता है।
- भौगोलिक स्थिति – उत्तर पश्चिम → बांग्लादेश और भारत
  - उत्तर-पूर्व → चीन
  - पूर्व और दक्षिण पूर्व → क्रमशलाओस : एवं थाईलैंड
  - दक्षिण और दक्षिण पश्चिम → क्रमशः अंदमान सागर व बंगाल की खाड़ी
- भारत-म्यांमार सीमा की लंबाई- 1600 km ।
- 4 भारतीय राज्य - अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मिजोरम और मणिपुर सम्बद्ध है ।

ऐतिहासिक संबंध

प्राचीन कालीन

- बौद्ध धर्म के समय से ही दोनों देश एक सम्पर्क कड़ी साझा करते हैं।
- प्राचीन काल - गौतम बुद्ध ने म्यांमार क्षेत्र में बौद्ध धर्म को बढ़ावा देने के लिए 2 भिक्षुओं, तपुसा और भल्लिका को अपने आठ बालों के साथ भेजा।
- अशोक ने अपने शासनकाल में प्रचारक को बर्मा भेजा,

स्वतंत्रता पूर्व

- अंग्रेजों ने भारत के अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर को म्यांमार के यांगून और म्यांमार के कोनबांग राजा को रत्नागिरी में निर्वासित कर दिया था।

आजादी के बाद

- भारत-म्यांमार मैत्री संधि, 1951: संबंधों का आधार।
- 1987 में राजीव गांधी की यात्रा से नींव रखी गई।
- शीत युद्ध के अंत में, भारत ने पूर्व की ओर देखो नीति के अंतर्गत म्यांमार के महत्व की घोषणा की।

सहयोग के क्षेत्र

आर्थिक संबंध

- भारत - म्यांमार का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है ।
- **कुल द्विपक्षीय व्यापार-** 2019-20 में US $1.5 बिलियन।
- **भारत से निर्यात-** फार्मास्युटिकल उत्पाद, लोहा और इस्पात, विद्युत मशीनरी और उपकरण, खनिज ईंधन, रबर और लेख, प्लास्टिक और लेख, परमाणु रिएक्टर, बॉयलर, मशीनरी और यांत्रिक उपकरण, कपास, लोहे या स्टील के लेख, अवशेष और अपशिष्ट खाद्य उद्योग ।
- **म्यांमार से आयात-** खाद्य सब्जियां और कुछ जड़ें और कंद, लकड़ी और लकड़ी के लेख, लकड़ी का कोयला, चीनी और चीनी कन्फेक्शनरी, पशु मूल के उत्पाद, कॉफी, चाय,

सहायक और मसाले, कच्ची खाल और खाल (फर्किन्स के अलावा) और चमड़ा, खाद्य फल और मेवा, छिलका या खट्टे फल या खरबूजे, तिलहन और ओलेगिनस फल, औद्योगिक या औषधीय पौधे ।

- **G20 ऋण सेवा निलंबन पहल**- भारत ने 1 मई 2020 से 31 दिसंबर 2020 तक G20 ऋण सेवा निलंबन पहल के तहत म्यांमार को ऋण सेवा राहत की घोषणा की।
- म्यांमार के तेल और गैस ने भारत से सबसे बड़ा विदेशी निवेश आकर्षित किया है।
- EXIM बैंक, SBI और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया की म्यांमार में मौजूदगी है।
- **शुल्क मुक्त व्यापार वरीयता** (DFTP- ड्यूटी फ्री ट्रेड प्रेफरेंस) और ASIAN-भारत माल व्यापार समझौता (AITGA – आसियान इंडिया टुडे इन गुड्स एग्रीमेंट): भूमि सीमा के माध्यम से भारत-म्यांमार सामान्य व्यापार के लिए 2 नीतिगत ढांचे।

ऊर्जा:

- ऊर्जा सहयोग में मजबूत और विस्तारित साझेदारी।
- दक्षिण एशिया के किसी भी देश में म्यांमार का भारतीय निवेश सबसे अधिक है।
- भारत ने श्वे ऑयल एंड गैस परियोजना में 120 मिलियन अमरीकी डालर से अधिक के निवेश को मंजूरी दी है।
- फरवरी 2020 - दोनों देशों ने अन्य क्षेत्रों में पेट्रोलियम उत्पादों के शोधन, भंडारण, सम्मिश्रण और खुदरा क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- भारतीय सार्वजनिक उपक्रम: ONGC विदेश लिमिटेड (OVL), IOCL और GAIL ने यंगून में कार्यालय खोले।
  - OVL और GAIL की श्वे गैस फील्ड में हिस्सेदारी है।
  - GAIL म्यांमार को पेट्रोकेमिकल उत्पादों का निर्यात कर रहा है।
- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA): म्यांमार ने ISA के फ्रेमवर्क समझौते में संशोधन की पुष्टि की।

आपदा राहत:

- चक्रवात मोरा (2017), कोमेन (2015), शान राज्य में भूकंप (2010), 2008 में चक्रवात नरगिस और यांगून, 2017 में इन्फ्लूएंजा वायरस के प्रकोप के दौरान भारत द्वारा सहायता प्रदान की थी ।

विकास साझेदारी

- भारत ने म्यांमार में COVID 19 से लड़ने के लिए 1 मिलियन अमरीकी डालर से अधिक के चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति की।
- भारत ने रेमडेसिविर की 3000 शीशियां सौंपी।
- **अनुदान परियोजनाएं -** कलादान मल्टी मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट, IMT त्रिपक्षीय राजमार्ग आदि
- **LOC परियोजनाएं-** रेलवे परियोजनाएं, डेटा लिंक की स्थापना, दूरसंचार परियोजनाएं आदि।
- भारत-म्यांमार मैत्री परियोजना: भारत ने शरणार्थियों की वापसी के बाद उनके पुनर्वास के लिए रखाइन राज्य में 250 से अधिक पूर्वनिर्मित घर सौंपे।
- सॉफ्टवेयर विकास और प्रशिक्षण में उत्कृष्टता केंद्र 2015 में म्यांमार में स्थापित किया गया।
- **AASIAN-भारत सहयोग कोष** के माध्यम से वित्तीय सहायता और C-डैक द्वारा कार्यान्वित।
- गहन शिक्षक प्रशिक्षण प्रदान करना, ICT पाठ्यक्रम विकास के लिए सहायता प्रदान करना, और C-डैक के अधिकृत केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त होगी।
- भारत ने म्यांमार में **रखाइन राज्य विकास** पर एक **समझौता** ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए-
  - रखाइन राज्य में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के लिए कार्यक्रम के पहले चरण के तहत पूर्वनिर्मित आवास परियोजना को जुलाई 2019 में पूरा किया गया और सौंप दिया गया।
  - भारत रखाइन राज्य विकास कार्यक्रम के तहत 12 परियोजनाओं को शुरू करेगा।

कलादान मल्टी-मॉडल कॉरिडोर परिवहन परियोजना

- 484 मिलियन अमेरिकी डॉलर की एक परियोजना जो पूर्वी भारतीय बंदरगाह कोलकाता को रखाइन राज्य, म्यांमार के सित्तवे बंदरगाह से समुद्र के रास्ते जोड़ती है।
- कलादान नदी नाव मार्ग के माध्यम से सितवे बंदरगाह को चिन राज्य में पलेतवा से और फिर सड़क मार्ग से पलेतवा से पूर्वोत्तर भारत में मिजोरम से जोड़ेंगे।
- महत्व
  - उत्तर-पूर्वी राज्यों में समुद्री मार्ग खोलने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की उम्मीद है।
  - जिससे भारत और म्यांमार के बीच आर्थिक, वाणिज्यिक और रणनीतिक संबंधों में वृद्धि होगी ।
  - कोलकाता से सितवे की दूरी लगभग 1328 km कम कर देगा।
  - संकीर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर के माध्यम से माल परिवहन की आवश्यकता को कम करेगा । जिसे चिकंस नेक भी कहा जाता है

रक्षा और सुरक्षा सहयोग

- क्षेत्र: सीमा प्रशिक्षण, खुफिया जानकारी साझा करना और म्यांमार सुरक्षा बलों को प्रशिक्षण देना ।

- समुद्री सुरक्षा सहयोग और श्वेत नौवहन सूचना का आदान-प्रदान- इसकी समुद्री क्षेत्र में संस्थागत गतिविधियाँ हैं।
- **समन्वय प्रोटोकॉल (CORPAT – Coardination Protocol):** भारत समन्वय प्रोटोकॉल (CORPAT) के तहत अपतटीय गश्ती वाहनों के निर्माण में म्यांमार की सहायता करता है।
- **रक्षा सहयोग समझौता -** भारत-म्यांमार ने जुलाई 2019 में समझौते पर हस्ताक्षर किए ।
- **रक्षा निर्यात -** म्यांमार ने 2017 में भारत का पहला स्थानीय रूप से उत्पादित पनडुब्बी रोधी टारपीडो खरीदा, जिसे तालशेयना कहा जाता है।
- 2019 - म्यांमार ने डीजल-इलेक्ट्रिक किलो-क्लास पनडुब्बी, **INS सिंधुवीर** का अधिग्रहण किया ।
- **"ऑपरेशन सनराइज"** → भारत और म्यांमार की सेनाओं द्वारा समन्वित ऑपरेशन -
  - अपने-अपने सीमावर्ती क्षेत्रों में किए गए ऑपरेशन।
  - मणिपुर, नागालैंड और असम में सक्रिय कई उग्रवादी समूहों को निशाना बनाया।
- **भारत-म्यांमार द्विपक्षीय सेना अभ्यास (IMBAX):** घनिष्ठ संबंधों का निर्माण और बढ़ावा देना।
- **मिलन अभ्यास-** द्विवार्षिक, बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास जो 1995 में शुरू हुआ था।
  - भाग लेने वाले देश: ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया, म्यांमार, सिंगापुर, श्रीलंका और थाईलैंड।

जुंटा कूप

- हाल ही में, म्यांमार सेना ने तख्तापलट में सत्ता हथिया ली, ऐसा 1948 में ब्रिटिश शासन से अपनी स्वतंत्रता के बाद से देश के इतिहास में तीसरी बार हुआ है ।
- सेना (जुंटा और तातमाडॉ) ने आरोप लगाया कि नवंबर 2020 में हुए आम चुनाव अनियमितताओं से भरे हुए थे और इसलिए, परिणाम मान्य नहीं हैं।
- 2020 के चुनाव - आंग सान सू की ने नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (NLD) को शानदार जीत दिलाई।
- सेना ने मांग की कि म्यांमार के संयुक्त चुनाव आयोग, या सरकार, या निवर्तमान सांसद नई संसद के आयोजन से पहले एक विशेष सत्र में साबित करें कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष थे। मांग खारिज कर दी गई थी।
- मिन आंग ह्लाइंग के तहत सेना ने एक तख्तापलट शुरू किया और एक साल के आपातकाल की घोषणा की गई और आंग सान सू की और नागरिक समाज के कार्यकर्ताओं सहित विपक्षी हस्तियों को गिरफ्तार किया गया।
- लोकतंत्र के साथ म्यांमार के अल्पकालिक अनुभव के अंत को चिह्नित किया, जो 2011 में शुरू हुआ, जब सेना ने संसदीय चुनावों और अन्य सुधारों को लागू किया।

सांस्कृतिक सहयोग

- बागान में आनंद मंदिर- भारत की सहायता से पुनर्निर्मित किया गया है।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने बोधगया में राजा मिंडन और म्यांमार के राजा बगीडॉ के पत्थर के शिलालेखों और मंदिरों को संरक्षित और पुनर्स्थापित किया।
- भारत ने यंगून में श्वेदागोन पेंगोड़ा के परिसर में स्थापित सारनाथ बुद्ध प्रतिमा की 16 फुट की प्रतिकृति दान में दी है।

परिवहन और लोगों से लोगों के लिए संपर्क

- **लैंड बॉर्डर क्रॉसिंग एग्रीमेंट (LBCA)**-
  - 2018 में हस्ताक्षर किए।
  - प्रवेश/निकास के दो अंतरराष्ट्रीय बिंदुओं मोरेह-तमू और जोखावाथर-रिह पर भारत-म्यांमार भूमि सीमा पार यात्रा करने के लिए वैध यात्रा दस्तावेजों/वीजा के साथ दोनों देशों के नागरिकों की सुगम आवाजाही ।
  - मोरेह (मणिपुर) में एकीकृत चेक पोस्ट (ICP) और जोखावथर (मिजोरम) में भूमि सीमा शुल्क स्टेशन का उद्घाटन किया गया ।
- **मोटर वाहन समझौता**-
  - इंफाल मांडले समन्वित बस सेवा के संचालन पर समझौता।
- **आगमन पर वीजा**-
  - म्यांमार ने 2018 में हवाई मार्ग से आने वाले भारतीय पर्यटकों के लिए आगमन पर वीज़ा प्रदान किया और इसे नवंबर 2020 तक बढ़ा दिया है ।

मुक्त आवाजाही व्यवस्था-

- भारत और म्यांमार सीमा पर जनजातीय लोगों की मुक्त आवाजाही को सुगम बनाना।
- सीमा पर रहने वाले जनजातियों को बिना वीजा प्रतिबंधों के सीमा पार 16 km की यात्रा करने की अनुमति देता है।

चुनौतियां

- **चीन का प्रतिकार कारक**-
  - चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारा (CMEC)- चीन की बेल्ट एंड रोड पहल का हिस्सा है।
  - म्यांमार को हिंद महासागर तक एक प्रमुख पहुंच मार्ग बनाता है।
- **विलंबित बुनियादी ढांचा परियोजनाएं**- लगभग हर भारतीय परियोजना समय से पीछे चल रही है।
- **सीमा सुरक्षा का मुद्दा**-
  - सीमा म्यांमार से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी का मुख्य माध्यम बन गई है।
  - इसलिए भारत सीमा पर फ्री मूवमेंट रिजीम (FMR) की फिर से जांच कर रहा है।
- **रोहिंग्याओं का मुद्दा**-
  - भारत 40 हजार रोहिंग्या की मेजबानी करता है। इसके संसाधनों पर भारी बोझ ,कट्टरपंथी रोहिंग्या युवाओं से सुरक्षा को खतरा। निर्वासित करने की योजना बना रहा है।

आगे की राह

- दोनों देश आंतरिक और बाहरी ताकतों द्वारा खुली सीमा के दुरुपयोग से प्रभावित हैं । सीमा प्रबंधन और विनियमन की जिम्मेदारी दोनों पर निर्भर करती है।
- एकमात्र देश जो भारत और आसियान के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य कर सकता है।
- म्यांमार- दक्षिण पूर्व एशिया के लिए भारत का प्रवेश द्वार है तथा भारत की अधिनियम पूर्व नीति को साकार करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करता है ।
- म्यांमार- 60 मिलियन लोगों का उभरता उपभोक्ता बाजार - पर्सनल केयर से लेकर पेय पदार्थों से लेकर स्मार्ट फोन तक के उत्पादों की मांग। भारत => इन अवसरों का लाभ उठाएं।
- भारत की कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट एंड ट्रांसपोर्ट परियोजना और भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग - पिछले कुछ वर्षों में बहुत देरी हुई है।
- म्यांमार के साथ आर्थिक साझेदारी बढ़ाना - भारत की अधिनियम पूर्व नीति में प्राथमिकता।

भारत-नेपाल संबंध

- आधिकारिक नाम- नेपाल के संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य। राजधानी: काठमांडू ।
- स्थान- मुख्य रूप से हिमालय में स्थित, इसमें भारत-गंगा के मैदानों के हिस्से भी शामिल हैं।
- दक्षिण एशिया में भूमि से घिरा देश।
- भौतिक सीमाएँ, उत्तर- चीन का तिब्बत- पूर्व, दक्षिण और पश्चिम- भारत- सिलीगुड़ी गलियारा इसे बांग्लादेश से अलग करता है- सिक्किम इसे भूटान से अलग करता है।
- भौगोलिक स्थिति - उपजाऊ मैदान, सबलपाइन वनाच्छादित पहाड़ियाँ, और दुनिया के दस सबसे ऊँचे पहाड़ों में से आठ यहाँ स्थित हैं । माउंट एवरेस्ट (पृथ्वी पर सबसे ऊँचा बिंदु) सहित।
- भारत-नेपाल सीमा 1850 km- राज्य(5) सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, UP और उत्तराखंड।

ऐतिहासिक संबंध

- **प्राचीनकालीन -** शाक्य वंश और गौतम बुद्ध के शासन का समय।
- **मध्यकालीन -** 12वीं शताब्दी, मल्ल काल और नेपाल में यक्षमाला के शासन के दौरान, दोनों राष्ट्र अपने सांस्कृतिक चरम पर पहुंच गए।
- **स्वतंत्रता पूर्व -**
  - 1920 के दशक में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की प्रगति - कई शिक्षित नेपाली लोग भारत आए और संघर्ष में भाग लिया।
  - नेपाली अभिजात वर्ग को अहिंसक संघर्ष में अंतर्दृष्टि दी → नेपाल में एक आंदोलन शुरू किया और राणा शासन (प्रधान मंत्री के लिए वंशवादी शासन) को हटाने में सफल रहा।
- **आजादी के बाद -**
  - शांति और मित्रता की द्विपक्षीय संधि, 1950 ।
  - यह भारत और नेपाल के बीच मौजूद विशेष संबंधों का आधार है।
  - नेपाली नागरिक प्रावधानों के अनुसार भारतीय नागरिकों के समान सुविधाओं और अवसरों का लाभ उठाते हैं।
  - आपसी शांति, मित्रता और संप्रभुता को एक दूसरे तक पहुंचाते हैं।
  - एक दूसरे के क्षेत्र में अहस्तक्षेप स्वीकार करता है।
  - नेपाल जब भी भारत के अलावा किसी अन्य देश से हथियारों का आयात करता है तो वह भारत से परामर्श करता है।
  - एक खुली सीमा का प्रावधान - भारतीय नागरिक बिना वीजा के नेपाल जा सकते हैं और इसके विपरीत और नेपाल में भारतीय मुद्रा का मुक्त संचलन।
  - नेपाली नागरिक भारत में संपत्ति खरीद सकते हैं और इसके विपरीत ।
  - जब भी मांग की जाए कोई भी पक्ष संधि में बदलाव के लिए कह सकता है ।

सहयोग के क्षेत्र

आर्थिक सहयोग

- भारत - नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है ।
- **द्विपक्षीय व्यापार-** 2018-19 में INR 57,858 करोड़ (8.27 बिलियन अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया।
- **भारत को निर्यात-** मानव निर्मित स्टेपल फाइबर, सब्जी, फल, अखरोट के भोजन की तैयारी, लोहा और इस्पात, वनस्पति कपड़ा फाइबर जो कहीं और निर्दिष्ट नहीं हैं, कागज के धागे, बुने हुए कपड़े, आदि ।
- **भारत से निर्यात-** पेट्रोलियम उत्पाद; मोटर वाहन और स्पेयर पार्ट्स; चावल का खेत; अन्य मशीनरी और भागों; दवा; कॉइल में हॉट रोल्ड शीट; विद्युत उपकरण; सीमेंट; कृषि उपकरण और भागों; कोयला; छड़, कुंडल, बार; सब्जियां; धागा, आदि।
- **नेपाल में भारतीय निवेश:** नेपाल में सबसे बड़े निवेशकों में भारतीय फर्में, कुल स्वीकृत FDI का 30% से अधिक है ।
  - 150 भारतीय उद्यम नेपाल, विनिर्माण, सेवाओं (बैंकिंग, बीमा, शुष्क बंदरगाह, शिक्षा और दूरसंचार), बिजली क्षेत्र और पर्यटन उद्योगों में काम कर रहे हैं।

रक्षा सहयोग

- भारत → नेपाल सेना की सहायता (NA) - उपकरणों की आपूर्ति करके आधुनिकीकरण और प्रशिक्षण प्रदान करना।

- सूर्य किरण: भारत-नेपाल बटालियन-स्तरीय संयुक्त सैन्य अभ्यास ।
- भारतीय सेना की गोरखा रेजिमेंट, आंशिक रूप से नेपाल के पहाड़ी जिलों से भर्ती करके बनाई गई।

आपदा और मानवीय सहायता

- 2015 में भूकंप: भारत सरकार ने तेजी से NDRF की टीमें और विशेष विमान में बचाव और राहत सामग्री नेपाल भेजी। भारत से चिकित्सा दल →नेपाल के विभिन्न भाग में पहुँचकर सेवाएँ दी ।
- भूकंप के बाद पुनर्निर्माण पैकेज- भारत सरकार ने 25 जून 2015 को काठमांडू में आयोजित नेपाल के पुनर्निर्माण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जिसमें 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान और 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रियायती लाइन ऑफ क्रेडिट शामिल है) की घोषणा की।

कनेक्टिविटी और विकास साझेदारी

- बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, जल संसाधन, शिक्षा और ग्रामीण और सामुदायिक विकास में कार्यान्वित विभिन्न परियोजनाएं।
- सीमा अवसंरचना विकास: भारत सीमा अवसंरचना के विकास में नेपाल की सहायता कर रहा है। तराई क्षेत्र में 10 सड़कों का उन्नयन
  - जोगबनी-विराटनगर, जयनगर-बरदीबास में सीमा पार रेल संपर्क का विकास;
- भारत सरकार की सहायता से बीरगंज, विराटनगर, भैरहवा और नेपालगंज में एकीकृत जांच चौकियों (ICP) की स्थापना।
- कृषि में नई भागीदारी- कृषि अनुसंधान, विकास और शिक्षा में सहयोगी परियोजनाएं।
- क़र्ज़े की सीमा: 1.65 बिलियन अमरीकी डालर के तहत बुनियादी ढांचे और भूकंप के बाद पुनर्निर्माण परियोजनाओं के विकास का उपक्रम।
- सागरमाथा से सागर- कोसी नदी मार्ग का उपयोग करते हुए नेपाल को समुद्र तक पहुंच प्रदान करने वाला प्रस्तावित जलमार्ग
  - नेपाल - भूमि से घिरा देश- बहुत सीमित वाहनों की पहुंच।
  - भारत व्यापार और पारगमन व्यवस्था के ढांचे के भीतर माल की आवाजाही के लिए अंतर्देशीय जलमार्ग विकसित करना चाहता है । जिससे नेपाल को सागर (हिंद महासागर) के साथ सागरमाथा (माउंट एवरेस्ट) को जोड़ने के लिए समुद्र तक अतिरिक्त पहुंच प्रदान की जा सके ।
- BBIN मोटर वाहन समझौता (MVA) ।

जल संसाधन सहयोग

- कई नदियाँ नेपाल से भारत की ओर बहती हैं – जोकि गंगा नदी बेसिन का महत्वपूर्ण भाग बनाती है ।
  - नदियाँ, नेपाल और भारत के लिए सिंचाई और बिजली के प्रमुख स्रोत है ।
- गंडक नदी संधि- 1959 में भारत और नेपाल के बीच। इसमें 13 अनुच्छेद हैं
  - दोनों पक्ष गंडक नदी के पानी का उपयोग 20000 मेगावाट बिजली पैदा करने के लिए कर सकते हैं।
- महाकाली संधि- 1996 में, भारत सारदा, टनकपुर और पंचेश्वर में 3 बांध बनाने के लिए सहमत हुआ। दोनों पक्ष लागत साझा करने पर सहमत हुए।

ऊर्जा सहयोग

- **पावर एक्सचेंज एग्रीमेंट:** 1971 से सीमावर्ती क्षेत्रों में बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए, एक दूसरे के ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर का लाभ उठाते हुए।
- **सीमा पारेषण लाइनें:**
  - पहली उच्च क्षमता 400 kV मुजफ्फरपुर (भारत) - ढलकेबार (नेपाल) सीमा पार विद्युत पारेषण लाइन, लाइन के नेपाल हिस्से के लिए 13.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर की भारत सरकार की LOC फंडिंग के साथ, 2016 में पूरा किया गया था।
  - भारत सरकार की अनुदान सहायता से निर्मित दो अतिरिक्त 132 kV क्रॉस-बॉर्डर ट्रांसमिशन लाइन कटैया (भारत) - कुसाहा (नेपाल) और रक्सौल (भारत) - परवानीपुर (नेपाल) 2017 में पूरी हुई।
  - भारत वर्तमान में नेपाल को कुल लगभग 600 मेगावाट बिजली की आपूर्ति कर रहा है।
- **सीमा पार पेट्रोलियम लाइनें-**
  - IOCL द्वारा निर्मित और वित्त पोषित, भारत में मोतिहारी को नेपाल में अमलेखगंज से जोड़ना ।
- **इलेक्ट्रिक पावर ट्रेड, क्रॉस-बॉर्डर ट्रांसमिशन इंटरकनेक्शन और ग्रिड कनेक्टिविटी पर समझौता:** 21 अक्टूबर 2014 को-
  - नेपाल और भारत के बीच सीमा पार से बिजली पारेषण, ग्रिड कनेक्टिविटी और बिजली व्यापार को सुगम बनाना और मजबूत करना।
  - दोनों देशों के मध्य बिजली व्यापार के लिए एक ढांचा प्रदान करता है, नेपाल द्वारा भारत से आयात करता है जब तक कि यह बिजली अधिशेष नहीं हो जाता है और बाद में नेपाल से भारतीय संस्थाओं द्वारा पारस्परिक रूप से स्वीकार्य नियमों और शर्तों पर आयात किया जाता है।

शैक्षिक सहयोग

- भारत और नेपाल में PHD/स्नातकोत्तर, स्नातक और प्लस-टू स्तरों पर विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए नेपाली नागरिकों को सालाना 3000 छात्रवृत्ति।

सांस्कृतिक सहयोग